International Research Journal of Education and Technology (IRJEdT)
‖ ISSN: 2581-7795, Impact Factor 5.007 ‖
‖ Peer-Reviewed | Open Access | International Journal ‖
‖ Volume: 09 | Issue: 09 | Sep- 2026 | www.irjweb.com ‖

विधानसभा चुनाव 2023 में महिला श्रमिकों के मतदान व्यवहार का अध्ययन : नरसिंहपुर जिले की करेली तहसील के विशेष संदर्भ में

हेमलता अहिरवार, शोधार्थी

राजनीति विज्ञान विभाग, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर

Email - 1303hema@gmail.com

सारांश –: प्रस्तुत शोध पत्र मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 के संदर्भ में नरसिंहपुर जिले की करेली तहसील की महिला श्रमिकों की मतदान व्यवहार का अध्ययन प्रस्तुत करता है। श्रमिक महिला समाज का एक ऐसा वर्ग है, जो आर्थिक रूप से नीचे स्तर पर होने के बाद भी राजनीतिक रूप से अपनी एक विशेष व सक्रिय भूमिका निभा रही है । हमारे इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य यह पता लगाना है, कि करेली तहसील के ग्रामीण व अर्ध–शहरी क्षेत्र में कार्य करने वाली महिला श्रमिकों (कृषि, मजदूर, मनरेगा श्रमिक, बीड़ी मजदूर, कारखाने में श्रमिक महिला) के मतदान निर्णय को कौन से कारक प्रभावित करते हैं । प्रस्तुत शोध में प्राथमिक और द्वितीय दोनों प्रकार के आंकड़ों का उपयोग किया गया है ।

शब्दावली –:

1. मतदान व्यवहार – मतदाता द्वारा मतदान के समय के लिए किए जाने वाले निर्णय एवं उसे प्रभावित करने वाले कारक ।
2. महिला श्रमिक – कृषि, निर्माण घरेलू एवं असंगठित क्षेत्र में कार्य करने वाली महिलाएं ।
3. विधानसभा चुनाव – राज्य सरकार के गठन हेतु निर्वाचित प्रतिनिधियों के चुनाव की प्रक्रिया ।
4. मतदाता – वह नागरिक जिस संविधान के अनुसार मतदान का अधिकार ।
5. चुनावी मुद्दे – वे सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक विषय जिनकी आधार पर मतदाता मतदान का निर्णय लेते हैं ।
6. करेली तहसील – मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिले की एक प्रशासनिक इकाई जो इस अध्ययन का क्षेत्र है ।
7. चुनाव आयोग– चुनाव के स्वतंत्र एवं निष्पक्ष संचालन के लिए उत्तरदाई संविधानिक संस्था ।
8. निर्णायक कारक – यह तत्व जो मतदान व्यवहार को प्रभावित करते हैं जैसे– शिक्षा, आयु, आय, जाति, मीडिया राजनीतिक, जागरूकता आदि ।

प्रस्तावना–: भारतीय लोकतंत्र में चुनाव नागरिकों की राजनीतिक सहभागिता का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है, जिनके माध्यम से शासन व्यवस्था को वैधता और दिशा प्राप्त होती है । इस लोकतांत्रिक प्रक्रिया में मतदान व्यवहार का अध्ययन सामाजिक आर्थिक और राजनीतिक संरचनाओं को समझने का एक प्रभावी उपकरण माना जाता है । विशेष रूप से महिला मतदाताओं का मतदान व्यवहार न केवल लैंगिक समानता और सशक्तिकरण की स्थिति को प्रतिबंधित करता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि लोकतंत्र समाज की ऊंचाइयों पर स्थित वर्गों तक सीमा पर पहुंचा है ।

International Research Journal of Education and Technology (IRJEdT)
‖ ISSN: 2581-7795, Impact Factor 5.007 ‖
‖ Peer-Reviewed | Open Access | International Journal ‖
‖ Volume: 09 | Issue: 09 | Sep- 2026 | www.irjweb.com ‖

करेली तहसील मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिले का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जहां की सामाजिक आर्थिक संरचना मुख्यतः ग्रामीण और कृषि आधारित है । जहां गन्ने की खेती और गुड़ निर्माण (गुड मंडी के रूप में प्रसिद्ध) मुख्य आर्थिक गतिविधि है । यहां बड़ी संख्या में लोग विशेष कर महिलाएं असंगठित क्षेत्र में श्रमिक के रूप में कार्य करती हैं, जहां आय अस्थिर और सीमित होती है । विधानसभा चुनाव 2023 में इस विशिष्ट वर्ग की राजनीतिक भागीदारी और उनके मतदान व्यवहार का यह अध्ययन राजनीतिक विश्लेषण की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है ।

अध्ययन के उद्देश्य –:

1. राजनीति में महिला श्रमिकों के मतदान व्यवहार पर सही तरीके से प्रकाश डालना ।
2. मध्य प्रदेश विधानसभा निर्वाचन में महिला श्रमिकों के मतदान व्यवहार अध्ययन को सही तथ्यों के द्वारा दर्शाना ।
3. सभी तथ्यों को अभिव्यक्त करना जो ग्रामीण स्तर पर नए मूल्यों की स्थापना करते हैं ।
4. मध्य प्रदेश विधानसभा में प्रशासनिक अभिकरण एवं अब तक किए गए कार्यों का सांख्यिकीय तौर पर विश्लेषणात्मक मूल्यांकन करना ।
5. आगामी वर्षों में महिला श्रमिकों की जनप्रतिनिधियों से अपेक्षाओं का मूल्यांकन करना ।
6. मतदान निर्णय पर शासन की कल्याणकारी योजनाओं (विशेष रूप से महिला केंद्रित योजनाओं) के प्रभाव का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना ।

शोध कार्य प्रणाली : यह अध्ययन मुख्य रूप से वर्णनात्मक और विश्लेषणात्मक शोध पद्धति पर आधारित है–

अध्ययन क्षेत्र – प्रस्तुत अध्ययन के लिए नरसिंहपुर जिले की करेली तहसील को अध्ययन क्षेत्र के रूप में चयनित किया गया है, जो मध्य प्रदेश के मध्यवर्ती भाग में स्थित एक प्रमुख ग्रामीण प्रधान क्षेत्र है ।

नमूना चयन की प्रक्रिया : इस अध्ययन में महिला श्रमिकों की चयन के लिए स्तरीकृत नमूना पद्धति का उपयोग किया गया है, जिससे नमूने की प्रतिनिधित्व क्षमता सुनिश्चित की जा सके । इसमें यादृच्छिक नमूनाकारण पद्धति के माध्यम से कुल 150 महिला श्रमिकों (कृषि मजदूर मनरेगा कार्यकर्ता और असंगठित निर्माण श्रमिक) का साक्षात्कार लिया गया है ।

आंकड़ा संग्रह –: इस अध्ययन में प्राथमिक डेटा संग्रह के लिए संरक्षित प्रश्नावली का उपयोग किया गया । वह व्यक्तिगत साक्षात्कार का उपयोग किया गया प्रश्नावली को दो माध्यमों से वितरित किया गया पहला– गूगल फॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन डाटा संग्रह जिससे अधिक संख्या में उत्तरदाताओं तक आसानी से पहुंचा जा सका और दूसरा– हार्ड कॉपी मुद्रित प्रश्नावली के माध्यम से विशेष रूप से उन महिला श्रमिकों के लिए जो डिजिटल माध्यमों का उपयोग नहीं कर पाती ।

द्वितीयक आंकड़े –: द्वितीय डाटा के अंतर्गत विभिन्न आधिकारिक और विश्वसनीय स्रोतों से जानकारी एकत्रित की गई जैसे– चुनावी रिपोर्ट्स, सरकारी आंकड़े, नीति दस्तावेज, स्थानीय समाचार पत्र और पूर्व प्रकाशित शोधलेख । स्थानीय समाचार पत्रों और मीडिया स्रोतों ने क्षेत्रीय राजनीति चुनावी मुद्दों और सामाजिक परिवेश की समकालीन तस्वीर प्रस्तुत करने में सहायता की ।

International Research Journal of Education and Technology (IRJEdT)
‖ ISSN: 2581-7795, Impact Factor 5.007 ‖
‖ Peer-Reviewed | Open Access | International Journal ‖
‖ Volume: 09 | Issue: 09 | Sep- 2026 | www.irjweb.com ‖

आंकड़ों का विश्लेषण व मुख्य निष्कर्ष –: अध्ययन के दौरान प्राप्त प्राथमिक आंकड़ों को निम्नलिखित श्रेणियां की अंतर्गत विश्लेषित किया जा सकता है–

मात्रात्मक डेटा विश्लेषण – इस अध्ययन में एकत्रित मात्रात्मक डाटा का विश्लेषण वैज्ञानिक एवं व्यवस्थित ढंग से किया गया, ताकि महिला श्रमिकों के मतदान व्यवहार के विभिन्न आयामों को स्पष्ट रूप से समझा जा सके । संरक्षित प्रश्नावली के माध्यम से प्राप्त आंकड़ों को पहले कोडिंग और वर्गीकरण की प्रक्रिया से गुजारा गया । जिससे डाटा को विश्लेषण योग रूप में परिवर्तित किया जा सके ।

गुणात्मक डेटा विश्लेषण – इस डाटा के माध्यम से महिला श्रमिकों के अनुभव दृष्टिकोण और सामाजिक वास्तविकताओं को समझा जा सके । इस प्रक्रिया में सबसे पहले सभी उत्तरों को ध्यान पूर्वक पढ़कर प्रमुख विचारों और पैटर्न की पहचान की गई इसके बाद समान विचारों को सम्मोहित कर विभिन्न थीम और अप– थीम विकसित किए गए जैसे– सामाजिक दबाव, पारिवारिक प्रभाव, आर्थिक निर्भरता, राजनीतिक जागरूकता और चुनावी मुद्दे ।

समेकित विश्लेषण और निष्कर्ष की व्याख्या –: इस अध्ययन की एक महत्वपूर्ण विशेषता मात्रात्मक और गुणात्मक डाटा का समेकित विश्लेषण है, जिससे शोध अधिक व्यापक और संतुलित बनता है । दोनों प्रकार के डाटा को एक दूसरे के पूरक के रूप में उपयोग किया गया, जिससे निष्कर्ष की गहराई और विश्वसनीयता में वृद्धि हुई उदाहरण– यदि सांख्यिकीय विश्लेषण यह दर्शाता है, कि शिक्षा स्तर मतदान व्यवहार को प्रभावित करता है, तो गुणात्मक विश्लेषण यह स्पष्ट करता है कि शिक्षित महिलाएं किस प्रकार अधिक स्वतंत्रता और जागरूक निर्णय लेती है । निष्कर्ष की व्याख्या करते समय सामाजिक आर्थिक और सांस्कृतिक संदर्भों को ध्यान में रखा गया, जिससे केवल आंकड़ों तक सीमित न रहकर वास्तविक जीवन की परिस्थितियों से जुड़ रहे ।

महिलाओं की राजनीति में जागरूकता और मतदान प्रतिशत –: प्रस्तुत अध्ययन में यह पाया गया की करेली तहसील की महिला श्रमिकों में मतदान को लेकर भारी उत्साह था । विधानसभा चुनाव 2023 में इस वर्ग का मतदान प्रतिशत 90 % से अधिक रहा । 82 % महिलाओं का मानना था कि मतदान उनका संवैधानिक अधिकार है और इससे भी अपनी स्थिति में सुधार कर सकती हैं ।

मतदान व्यवहार को प्रभावित करने वाले कारक –: महिला श्रमिकों के मतदान निर्णय को प्रभावित करने वाले कारकों का प्रतिशत वितरण निम्न रहा –

मुख्य कारक	प्रभाव का प्रतिशत %
1. सरकारी योजनाएं (लाडली बहन, राशन योजना आदि)	48 %
2. पारिवारिक / पति की सलाह	22 %
3. स्थानीय उम्मीदवार की छवि और जाति	18 %
4. महंगाई और मजदूरी दर (आर्थिक मुद्दे)	12 %

International Research Journal of Education and Technology (IRJEdT)
‖ ISSN: 2581-7795, Impact Factor 5.007 ‖
‖ Peer-Reviewed | Open Access | International Journal ‖
‖ Volume: 09 | Issue: 09 | Sep- 2026 | www.irjweb.com ‖

निर्णय लेने की स्वतंत्रता –: पारंपरिक रूप से यह माना जाता था कि ग्रामीण महिलाएं परिवार के पुरुष सदस्यों के कहने पर वोट देता है, परंतु इस अध्ययन में एक बड़ा बदलाव देखा गया –

1. 42 % महिलाओं ने स्वीकार किया है कि निर्णय में पति या परिवार के बड़े बुजुर्गों की राय शामिल थी। यह इस बात को दर्शाता है कि महिलाएं राजनीतिक रूप से स्वतंत्र बन रही है।
2. 58 % महिला श्रमिकों ने दावा किया है कि उन्होंने अपनी मर्जी और पसंद के उम्मीदवार को वोट दिया।

चर्चा एवं निष्कर्ष –: मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 के संदर्भ में नरसिंहपुर जिले की करेली तहसील में निवासरत महिला श्रमिकों का मतदान व्यवहार का जो चित्र इस अध्ययन के माध्यम से उभर कर सामने आया है, उसका समग्र विवेचन इस अध्याय का केंद्रीय विषय है । प्रस्तुत अध्याय इस शोध–अध्ययन का समापन एवं विश्लेषणात्मक भाग है । पूर्ववर्ती अध्यायों में जहां अध्ययन की पृष्ठभूमि, उद्देश्य, साहित्य समीक्षा, शोध – प्रविधि तथा क्षेत्रीय सर्वेक्षण से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण प्रस्तुत किया गया वहीं इस अध्याय में उन समस्त निष्कर्ष को एक सूत्र में प्रयोग कर उनका सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक अर्थ स्पष्ट करने का प्रयास किया गया है । सर्वेक्षण में सम्मिलित 400 महिला श्रमिकों में से लगभग 82 % में विधानसभा चुनाव 2023 में मतदान करने की पुष्टि की यह भी उल्लेखनीय है कि महिला श्रमिकों की मतदान दर में विगत चुनाव की तुलना में क्रमिक वृद्धि की प्रवृत्ति देखी गई साक्षात्कारों में अनेक आदि एवं वृद्ध महिलाओं ने बताया कि उनकी युवावस्था की तुलना में आज महिलाओं की मतदान में भागीदारी कहीं अधिक सहज एवं स्वीकार्य हो गई है यह पीढ़ी गत परिवर्तन भारतीय ग्रामीण एवं अर्द्ध शहरी समाज में स्त्री ही नागरिक भूमिका के प्रति बदलते दृष्टिकोण का सूचक है जो लोकतंत्र के दीर्घकालिक गैनीकरण की दिशा में एक सकारात्मक संकेत है ।

संदर्भ सूची –:

1. राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान, (2010) पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी: मध्य प्रदेश से साक्ष्य, हैदराबाद एनआईआरडीपीआर ।
2. राव, एन. एवं केलहर दी. (2017) ग्रामीण भारत में लिंग, श्रम और नागरिकता, जेंडर एंड डेवलपमेंट 25 (3), 397–414।
3. यादव आर. (2018), भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी, राजनीतिक अध्ययन, 22 (4), 375–392।
4. वर्मा, पी. (2018) महिला मतदाता और लोकतांत्रिक सशक्तिकरण । इंडियन जनरल ऑफ जेंडर स्टडीज 25 (3), 321–338।
5. राठौर. दी. (2019) लोकतंत्र में महिलाओं की भूमिका: एक समालोचनात्मक अध्ययन भारतीय समाज अध्ययन, 19 (1), 41–58।
6. भारत निर्वाचन आयोग (2020), भारत में लिंग और चुनाव : सांख्यिकी रिपोर्ट नई दिल्ली निर्वाचन आयोग।
7. मल्होत्रा. पी. (2022), भारतीय लोकतंत्र में चुनाव का सामाजिक महत्व। जनरल आफ कंटेंपरेरी इंडिया 16 (1),112–129।